

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर, सिरोही
(पीठासीन अधिकारी: के.आर.खौड, आर.ए.एस.)

प्रार्थी

विकास अधिकारी, पंचायत समिति, शिवगंज, जिला- सिरोही

बनाम

अप्रार्थी

1. सरपंच, ग्राम पंचायत, वाण, तहसील शिवगंज, जिला- सिरोही
2. श्री हडमतसिंह पुत्र जालमसिंह जी राजपूत, निवासी-वाण, तहसील-शिवगंज, जिला-सिरोही (मृतक) के वारिसान:-
 - 2/1.श्रीमती मांग कुंवर पत्नि हडमतसिंह जी राजपूत, निवासी-वाण, तहसील-शिवगंज
 - 2/2.श्री पूरणसिंह पुत्र हडमतसिंह जी राजपूत, निवासी-वाण, तहसील-शिवगंज
 - 2/3.श्री मनोहरसिंह पुत्र हडमतसिंह जी राजपूत, निवासी-वाण, तहसील-शिवगंज
 - 2/4.श्री रविन्द्रसिंह पुत्र हडमतसिंह जी राजपूत, निवासी-वाण, तहसील-शिवगंज

पंचायत निगरानी संख्या: 35/2021

"निगरानी आवेदन अन्तर्गत धारा 97 राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994"

उपस्थिति:

1. श्री नटवरलाल, सहायक विकास अधिकारी, कलेक्टर कार्यालय, सिरोही
2. अधिवक्ता श्री दिनेश कुमार सुराणा, अप्रार्थी संख्या- 2/1 से 2/4 की ओर से

—: निर्णय :-

दिनांक 23 दिसम्बर, 2022

- (1) संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं। प्रार्थी की ओर से यह निगरानी आवेदन ग्राम पंचायत, वाण द्वारा श्री हडमतसिंह पुत्र जालमसिंह जी राजपूत, निवासी-वाण के पक्ष में राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियम 157(1) के तहत जारी पट्टा संख्या 2041 दिनांक 15.10.1996 एवं ग्राम पंचायत, वाण के प्रस्ताव संख्या-01 दिनांक 13.2.1998 को निरस्त कराने हेतु अप्रार्थीगण के विरुद्ध प्रस्तुत किया है।
- (2) प्रस्तुत निगरानी आवेदन को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को नोटिस जारी किये गये। निगरानी आवेदन की सुनवाई के दौरान अप्रार्थी संख्या 2/1 से 2/4 की ओर से अधिवक्ता श्री दिनेश कुमार सुराणा उपस्थित हुये एवं अप्रार्थी संख्या 2/1 से 2/4 की ओर से लिखित जवाब प्रस्तुत किया। जबकि अप्रार्थी संख्या-1(एक) को नोटिस की तामिल होने के बावजूद भी अप्रार्थी संख्या-1 (एक) की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ।
- (3) बहस सुनी गई। बहस के दौरान श्री नटवर लाल, सहायक विकास अधिकारी, कलेक्टर कार्यालय, सिरोही ने निगरानी आवेदन में अंकित तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह व्यक्त किया कि सरपंच ग्राम पंचायत वाण द्वारा अप्रार्थी सं. 2 के पक्ष में राजस्थान पंचायतीराज नियम 157 (1) अन्तर्गत मिसल सं. 65/97-98 दिनांक 03.01.1997 में दर्ज कर पट्टा संख्या 2041 दिनांक 15.10.96. को क्षेत्रफल 7500 वर्गफीट का भूमि का संबंधित नियमों के विपरित जारी कर पूर्ण अवहेलना की गई हैं। ग्राम पंचायत वाण को राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के तहत आबादी भूमि में विक्रय विलेख जारी करने का अधिकार प्रदत्त हैं परन्तु जांच प्रतिवेदन में तहसीलदार शिवगंज के पत्र क्रमांक राजस्व/2020/2090 दिनांक 07.10.2020 के अनुसार अप्रार्थी सं. 02 की भूमि वर्तमान में खसरा नं. 428 / 2 रकबा 10 बीघा किस्म आबादी में स्थित हैं, परन्तु उक्त भूमि दिनांक 10.08.2001 को आबादी में आवंटित

....पेज



अति. जिला कलेक्टर
सिरोही (राज.)

थी। ग्राम पंचायत, वाण ने प्रश्नगत भूमि का आबादी विस्तार हेतु वर्ष 2001 में आवंटित होने से पूर्व ही जब प्रश्नगत भूमि राजस्व रेकर्ड में गोचर दर्ज थी उस समय वर्ष 1996 में पट्टा जारी कर दिया था जो कानूनन गलत है। राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 157 (1) के अन्तर्गत जहां व्यक्ति आबादी भूमि में संनिर्मित पुराने घरों के लिये पट्टा जारी कराये जाने के इच्छुक हैं, वहां उन्हें प्रारूप 23-क में पंचायत द्वारा पट्टा जारी किया जा सकेगा, परन्तु ग्राम पंचायत, वाण ने गोचर भूमि में आवासीय प्रयोजनार्थ का प्रश्नगत पट्टा दिनांक 15.10.1996 को जारी किया है, जबकि राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 जो कि दिनांक 31.12.1996 को लागू हुये है, इस कारण से अप्रार्थी संख्या-2 के पक्ष में राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियमों के तहत पट्टा जारी नहीं किया जा सकता है। राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 157 (1) के अन्तर्गत पुराने निर्मित आवासीय भवन के विनियमितकरण का प्रावधान है, लेकिन ग्राम पंचायत, वाण ने नियमों के विपरित गोचर भूमि में खाली भूखण्ड का नियम 157 (1) के तहत पट्टा विलेख जारी किया गया जो खारिज योग्य है। ग्राम पंचायत, वाण ने अप्रार्थी संख्या-2 को अनुचित लाभ दिये जाने की नियत से नियमों के विरुद्ध गोचर भूमि में पट्टा विलेख जारी किया है। यह कि ग्राम पंचायत, वाण ने राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 157 (1) हेतु नियम 148 के तहत आपत्ति नोटीस पर चस्पानगी के हस्ताक्षर नहीं करवाकर गवाहों के बयान के अभाव में तथा मिसल कार्यवाही पूर्ण नहीं कर पट्टा विलेख जारी किया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, राजस्थान, जयपुर के पत्र क्रमांक: एफ. 130 -0 परावि/विधि/प.आ. अभि/मार्गदर्शन/जयपुर/ 2017/357 दिनांक 03.5.2017 के बिन्दु संख्या-1 के अनुसार ग्राम पंचायतों में आबादी भूमि का आवंटन पंचायती राज नियम, 1996 के पश्चात् हुआ है तो भूमि पर बने पुश्तैनी आवासों के पट्टे दिया जाना नियम 157(1) व 157(2) के तहत नियमानुसार अनुमत नहीं है। अतः प्रार्थी का निगरानी आवेदन स्वीकार किया जाकर प्रश्नगत पट्टे को निरस्त किया जावे। जबकि अप्रार्थी संख्या 2/1 से 2/3 के अधिवक्ता ने बहस के दौरान जवाब में अंकित तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह व्यक्त किया कि ग्राम पंचायत वाण ने अप्रार्थी संख्या-2 के पक्ष में पट्टा जारी करने में किसी प्रकार की कोई त्रुटि नहीं की है। प्रश्नगत पट्टे की भूमि आबादी भूमि है एवं उक्त भूमि आबादी के उपयोग में आ रही है। जब पट्टा जारी किया उस समय भी एवं वर्तमान में भी प्रश्नगत पट्टे की भूमि आबादी भूमि के रूप में ही उपयोग में आ रही है। यह निगरानी आवेदन प्रस्तुत करने के समय भी प्रश्नगत पट्टा शुदा भूमि आबादी भूमि है। ऐसी स्थिति में, प्रार्थी का यह कथन किसी भी रूप से विश्वसनीय नहीं है कि प्रश्नगत भूमि आबादी भूमि न हो। ग्राम पंचायत, वाण ने अप्रार्थी संख्या 2 के हक में वैध रूप से पट्टा विलेख निष्पादित किया है। अप्रार्थी संख्या- 2 (हडमतसिंह) की मृत्यु दिनांक 12.5.2016 को हुई है। ग्राम पंचायत, वाण द्वारा गोचर भूमि में आवासीय प्रयोजनार्थ विक्रय विलेख जारी नहीं किया है। ग्राम पंचायत वाण ने उनके कब्जे अधिकार की आबादी भूमि का प्रश्नगत पट्टा अप्रार्थी संख्या-2 के हक में जारी किया है। ग्राम पंचायत वाण ने आबादी भूमि के अनेको पट्टे अप्रार्थी संख्या- 2 के पट्टे शुदा भूमि के आस पास जारी किये है। अप्रार्थी संख्या 2 के हक में जारी किये गये विक्रय विलेख में वर्णित भूमि आबादी भूमि है जिससे प्रार्थी की यह निगरानी विधि में परिपोषणीय नहीं है। राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 157 के अनुसार अप्रार्थी संख्या-2 ने उसके पुराने कब्जे भोगवटे की आबादी भूमि का पट्टा बनाने हेतु आवेदन किया था। उक्त भूमि पर पूर्व में अप्रार्थी संख्या- 2 के पुश्तैनी कच्चे आवासीय मकान थे। पुराने कब्जे शुदा भूमि का पट्टा बनाने का अधिकार ग्राम पंचायत को है। ऐसी स्थिति में ग्राम पंचायत वाण ने प्रश्नगत विक्रय विलेख जारी करने में किसी प्रकार की कोई त्रुटि नहीं की है। ग्राम पंचायत, वाण ने अप्रार्थी संख्या 2 को

.....पेज तीन पर



अति. जिला कलक्टर
सरोही (राज.)

किसी प्रकार का कोई अनुचित लाभ नहीं दिया है। प्रश्नगत पट्टा जारी हुये 24 वर्ष से अधिक समय हो चुका है। हडमतसिंह जी का देहान्त दिनांक 12.5.2016 को हो गया है। अप्रार्थी संख्या-2 के वारिसान पूरणसिंह देवडा पुत्र हडमतसिंह देवडा एवं मनोहरसिंह पुत्र हडमतसिंह देवडा ने उनके स्वामित्व के हक हिस्से के प्रश्नगत भूखण्ड को उनकी माता श्रीमती मांगकुंवर के हक में रिलीज डीड निष्पादित की है जिससे प्रश्नगत भूखण्ड में हडमतसिंह की पत्नि मांगकुंवर का 3/4 हक हिस्सा निहीत हो चुका है व हडमतसिंह के पुत्र रविन्द्रसिंह का 1/4 मालकना हिस्सा है। हडमतसिंह की पत्नि श्रीमती मांगकुंवर ने प्रश्नगत भूखण्ड पर विद्युत कनेक्शन भी जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड से लिया है। प्रार्थी ने अब तक यह निगरानी प्रस्तुत नहीं करने का कोई युक्तियुक्त कारण नहीं दर्शाया है। प्रार्थी की निगरानी किसी भी रूप में मियाद में नहीं है। प्रार्थी को यह भलीभांति जानकारी है कि हडमतसिंह के वारिसान पूरणसिंह व मनोहरसिंह ने प्रश्नगत भूमि के उनके मालिकाना हक हिस्से का त्याग जरिये पंजीकृत रिलीज डीड के द्वारा उनकी माता मांग कुंवर के पक्ष में कर दिया है तथा भूखण्ड के चारों ओर और तारबन्दी की हुई है मौके पर पत्थर इत्यादि पड़े हुए है। प्रश्नगत भूखण्ड का पट्टा विलेख अप्रार्थी संख्या-2 हडमतसिंह के हक में जारी किये जाने के पूर्व से प्रश्नगत भूखण्ड पर अप्रार्थी संख्या-2 का पुश्तैनी मालकाना कब्जा आधिपत्य रहा है तथा उस पर पुराने कच्चे केलुपोश मकान बने हुये थे जो जर्जर होने से ध्वस्त हो चुके है। प्रश्नगत भूमि पुरानी आबादी भूमि है। यह कि ग्राम पंचायत, वाण के अधिन पहले मौछाल गाव भी था लेकिन वर्तमान में मौछाल गाव ग्राम पंचायत भेव के अन्तर्गत है। प्रश्नगत भूखण्ड का विक्रय विलेख जारी किया गया उस समय श्री नरपतसिंह देवडा निवासी मौछाल ग्राम पंचायत वाण के सरपंच थे तथा मौछाल गाव ग्राम पंचायत वाण के अन्तर्गत गाव था। शिकायतकर्ता नरपतसिंह देवल निवासी वाण ने आपसी राजनैतिक रंजिश के कारण प्रार्थी से अप्रार्थी संख्या 2/1 से 2/4 के विरुद्ध गलत रूप से निगरानी प्रस्तुत करवाई है जो प्रथम दृष्टिया काबिल खारीज के है। उक्त नरपतसिंह देवल ग्राम पंचायत वाण के उप सरपंच पद पर रहे है उस समय सरपंच पद पर सोपुबाई नामक महिला थी जो केवल हस्ताक्षर करना जानती थी। ग्राम पंचायत वाण का कार्य शिकायतकर्ता नरपतसिंह देवल के निर्देशानुसार ही चलता था। विनोदसिंह देवडा पुत्र जब्बरसिंहजी देवडा की पट्टा संख्या 2043 दिनांक 15.10.1996 की भूमि पर भवन निर्माण की एन ओ सी उक्त नरपतसिंह देवल के उप सरपंच पद के कार्यकाल में जारी की गई थी। ग्राम पंचायत वाण ने अनेको लोगो को 5000 वर्गफीट नाप से अधिक नाप की भूमि के पट्टे जारी किये है। गणपतसिंह पुत्र नाथूसिंह राजपुत निवासी मौछाल के हक में सन 1997-98 में 13230 वर्गफीट नाप की भूमि का पट्टा में जारी किया गया है। छतरसिंह पुत्र डुंगरसिंह राजपुत निवासी मौछाल के हक में सन 1997-98 में 19035 वर्गफीट नाप की भूमि का पट्टा जारी किया गया है। इसी प्रकार सवाईसिंह, श्रवणसिंह पिसरान मोडसिंह जाति राजपुत, निवासी मौछाल के हक में सन 1997-98 में 36890 वर्गफीट नाप की भूमि का पट्टा जारी किया गया है मोहब्बतसिंह, चन्दनसिंह पिसरान डुंगरसिंह निवासी मौछाल के हक में सन 1997-98 में 31640 वर्गफीट नाम की भूमि का पट्टा जारी किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा 5000 वर्गफीट से अधिक नाप की भूमि के पट्टो की सूची ग्राम पंचायत वाण द्वारा जारी की गई है। उक्त सूची की प्रमाणित प्रति जवाब के साथ प्रस्तुत की गई है। उक्त सूची के अतिरिक्त भी अनेको पट्टे 5000 वर्गफीट नाप से अधिक नाप की भूमि के ग्राम पंचायत वाण द्वारा जारी किये गये है। जिसके सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई कार्यवाही आज तक नहीं की गई है। यह कि पुराने कब्जे भोगवटे की भूमि के पट्टे जारी करने का प्रावधान विधि मे है। गांवो में अधिकाश लोगो के भूमि एवं मकानों के पट्टे भूतपूर्व सिरोही रियासत के समय नहीं बने थे। कब्जे भोगवटे के आधार पर ही मालकाना हक

.....पेज चार पर



अति. जिला कलक्टर
सिरोही (राज.)

अधिकार निहित होते थे। अप्रार्थी संख्या 2 का प्रश्नगत पुश्तैनी भूमि पर ग्राम पंचायत वाण द्वारा विक्रय विलेख जारी किये जाने के पूर्व से बतौर स्वामी काबिज रहा है एवं उसके कैलु पोश मकानात उक्त भूमि पर बने हुये थे। प्रश्नगत भूमि ग्राम पंचायत वाण की आबादी भूमि है। प्रश्नगत भूमि के आस पास आबादी भूमि है जहा रेबारीयो के मकानात बने हुये है। उक्त भूमि गोचर की भूमि नहीं है। अप्रार्थी संख्या 2/1 से 2/3 के विद्वान अधिवक्ता ने बहस के दौरान विधिक दृष्टान्त DNJ 1999 Page 437, DNJ 1999 Page 781 व RLW 2002 Page 2284 में अंकित तथ्यों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यह भी व्यक्त किया कि प्रश्नगत पट्टा जारी हुये 24 वर्ष से अधिक समय हो गया है एवं प्रार्थी ने 24 वर्ष के विलम्ब से यह निगरानी आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जो अतिशय विलम्ब से प्रस्तुत किया है एवं इस विलम्ब की अवधि का कोई कारण भी निगरानी आवेदन में नहीं दर्शाया है। इस प्रकार, प्रश्नगत भूमि में अप्रार्थी संख्या-2 के अधिकारों की सरंचना को अवरुद्ध करने में पर्याप्त विलम्ब हो चुका है। अतः प्रार्थी का निगरानी आवेदन खारिज किया जावे।

(4) उभय पक्ष की सुनी गई बहस पर मनन किया एवं न्यायालय पत्रावली का गंभीरतापूर्वक अध्ययन एवं अवलोकन किया तो यह पाया कि ग्राम पंचायत, वाण द्वारा अप्रार्थी संख्या-2 (श्री हडमतसिंह) के पक्ष में राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियम 157(1) के तहत क्षेत्रफल 7500 वर्गफीट भूमि का पट्टा विलेख संख्या 2041 दिनांक 15.10.1996 को जारी किया गया है, जो ग्राम पंचायत, वाण के प्रस्ताव संख्या-01 दिनांक 13.2.1998 के अनुसरण में जारी किया जाना अंकित किया है। प्रकरण में यह तथ्य निर्विवादित है कि ग्राम पंचायत, वाण द्वारा अप्रार्थी संख्या-2 को जिस भूमि का पट्टा जारी किया गया है वह भूमि पट्टा जारी करने की तारीख को आबादी भूमि नहीं होकर गोचर भूमि थी। ऐसी स्थिति में, तत्समय ग्राम पंचायत को प्रश्नगत पट्टे की भूमि का पट्टा जारी करने का कानूनन कोई हक अधिकार नहीं था। प्रकरण में यह तथ्य भी निर्विवादित है कि अप्रार्थी संख्या-2 के पक्ष में ग्राम पंचायत, वाण द्वारा राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियम 157(1) के तहत दिनांक 15.10.1996 को पट्टा जारी किया गया है, जबकि राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 जो कि दिनांक 30.12.1996 से लागू हुए है। ऐसी स्थिति में, ग्राम पंचायत, वाण द्वारा राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 के नियम 157(1) के तहत अप्रार्थी संख्या-2 के पक्ष में दिनांक 15.10.1996 को जारी पट्टा नियम विरुद्ध है।

चूंकि प्रकरण में यह तथ्य भी निर्विवादित है कि जिला कलक्टर, सिरौही द्वारा ग्राम वाण के खसरा संख्या 428/2 रकबा 10 बीघा भूमि का आबादी विस्तार हेतु आवंटन दिनांक 10.8.2001 को किया गया है एवं वर्तमान में प्रश्नगत पट्टे की भूमि की किस्म आबादी है। यदि अप्रार्थी संख्या-2 का प्रश्नगत पट्टे की भूमि पर पट्टा जारी होने की तारीख अथवा भूमि का आबादी विस्तार हेतु आवंटन होने की तारीख के बाद से अर्थात् वर्ष 2001 से भी कब्जा मान लिया जाये तो प्रश्नगत पट्टे की भूमि पर अप्रार्थी संख्या-2 का पुराना कब्जा साबित होता है। प्रकरण में अप्रार्थी पक्ष की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी स्पष्ट है कि प्रश्नगत पट्टे की भूमि का अन्य व्यक्तियों को हस्तान्तरण हो चुका है तथा प्रश्नगत पट्टे की भूमि का आवासीय उपयोग व उपभोग किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में, उपर्युक्त सभी तथ्यों के विवेचन के अनुसार प्रश्नगत पट्टे को निरस्त करते हुए प्रकरण ग्राम पंचायत, वाण को राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 में प्रदत्त प्रावधानों के तहत परीक्षण कर पुनः नियमानुसार पट्टा जारी करने हेतु प्रतिप्रेषित किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः प्रार्थी विकास अधिकारी, पंचायत समिति, शिवगंज का निगरानी आवेदन स्वीकार किया जाकर ग्राम पंचायत, वाण द्वारा अपार्थी संख्या-2 (श्री हडमतसिंह) केपेज पांच पर



अति. जिला कलक्टर
सिरौही (राज.)

पक्ष में क्षेत्रफल 7500 वर्गफीट भूमि का जारी पट्टा संख्या 2041 दिनांक 15.10.1996 को एवं ग्राम पंचायत, वाण के प्रस्ताव संख्या 01 दिनांक 13.2.1998 को निरस्त किया जाता है एवं प्रकरण ग्राम पंचायत, वाण को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि ग्राम पंचायत, वाण प्रश्नगत पट्टे की भूमि के मौके की जांच करे एवं अप्रार्थी संख्या 2/1 से 2/4 को सुनवाई का अवसर देते हुए प्रकरण का राजस्थान पंचायती राज नियम, 1996 में प्रदत्त प्रावधानों के तहत परीक्षण कर पुनः नियमानुसार पट्टा जारी करने की कार्यवाही करे। निर्णय सुनाया गया।



(के.ओर.खौड)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,
सिरौही